International Journal of Advanced Innovation and Research
Vol 2, Issue 1, January 2024
ISSN: 2584-2129

INTERNATIONAL JOURNAL OF
ADVANCED INNOVATION AND RESEARCH
journal homepage: www.ijair.in

Maadhyamik star par Baalak evan Baalikaon ke Samaayojan ka Tulanaatmak Adhyayan

Manoj kumar
Professor, Hindi, Ramchandra Singh Memorial Degree College

Keywords

अस्तित्व,
अनुकूलन,
सांख्यिकी दृष्टिकोण,
मानसिक सूचि,
विश्लेषण,

ABSTRACT

शिक्षा किसी के अस्तित्व को संवारने और उच्च बनाने की क्षमता है। यह एक युवा व्यक्ति विभिन्न वातावरणों में कितनी अच्छी तरह अनुकूलन करता है, यह जीवन में उसकी सफलता के स्तर को निर्धारित करता है। बच्चों का अनुकूलन कई पहलुओं से प्रभावित होता है, जैसे घरेलू, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन। वर्तमान शोध माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के अनुकूलन का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। जांच हेतु पद्धति का उपयोग किया गया। विद्यालयों में अध्ययन के लिए विद्यार्थियों के समायोजन का आकलन करने के लिए मानसिक सूची का उपयोग किया। अध्ययन ने सांख्यिकी दृष्टिकोण के रूप में विवेचन और टी-टेस्ट को नियोजित किया। जांच से पता चला कि माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच समायोजन का स्तर में लड़कों और लड़कियों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। अनुकूलन में एक उल्लेखनीय असमानता देखी गई, जबकि पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय क्षेत्रों में उनके समायोजन के संदर्भ में पुरुष और महिला माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

विषय प्रस्तुति : - किशोरावस्था के वर्ग विकास की एक महत्वपूर्ण अवधि को चिन्हित करते हैं, जिसमें व्यक्ति महत्वपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक परिवर्तनों से गुजरते हैं। इस दौरान माध्यमिक स्तर पर लड़कों और लड़कियों के समायोजन शैक्षिक, भावनात्मक और सामाजिक क्षेत्रों में किया जाता है। किशोरों को समझना कि वे इन चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं, उनका समग्र कल्याण और शैक्षिक सफलता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

माध्यमिक स्तर पर समायोजन

माध्यमिक शिक्षा बचपन और वयस्कता के बीच एक पुल के रूप में कार्य करती है, जो किशोरों को कई चुनौतियों का सामना कराती है। समायोजन प्रक्रिया में शैक्षिक मांगों का सामना करना, स्वस्थ संबंध स्थापित करना और भावनात्मक कल्याण का प्रबंधन करने की क्षमता शामिल होती है। सामाजिक अपेक्षाएं, लिंग भूमिकाएं और व्यक्तिगत व्यक्तित्वों के कारण लड़के और लड़कियां इन चुनौतियों का अलग-अलग अनुभव कर सकते हैं।

सामाजिक अपेक्षाएं और लिंग भूमिकाएं

सामाजिक मानदंड अक्सर लड़कों और लड़कियों के लिए विशेष भूमिकाएं और अपेक्षाएं निर्धारित करते हैं, जो माध्यमिक स्तर पर उनके व्यवहार और समायोजन को प्रभावित करते हैं। लड़कों को ताकत और स्वतंत्रता पर जोर देने वाले पारंपरिक मर्दाना आदर्शों के अनुरूप ढालने का दबाव महसूस करना पड़ सकता है। दूसरी

ओर, लड़कियों को लिंग से संबंधित अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे कि पोषण और अनुकूलनशीलता, जो सामाजिक अपेक्षाएं उनकी आत्म-धारणा को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे यह प्रभावित होता है कि वे शैक्षिक वातावरण में कैसे आगे बढ़ते हैं।

शैक्षिक चुनौतियाँ

माध्यमिक स्तर पर लड़के और लड़कियों दोनों के समायोजन में शैक्षिक मांगें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लड़कों को कुछ विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन अपेक्षाओं और सामाजिक दबाव से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर, लड़कियों को रूढ़िवादी और पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ सकता है जो एकरूप क्षेत्रों (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग) और अन्य क्षेत्रों में उनके अभिव्यक्ति और भागीदारी को प्रभावित करते हैं। समावेशी और सहायक शिक्षा वातावरण बनाने के लिए शिक्षकों के लिए इन गतिशीलताओं को समझना महत्वपूर्ण है।

सामाजिक रिश्ते

किशोरों का समायोजन उनके सामाजिक संपर्कों और रिश्तों से काफी प्रभावित होता है। लड़के और लड़कियां सहकर्मी संबंधों को अलग-अलग तरीके से संचालित कर सकते हैं; लड़के अक्सर प्रतिस्पर्धा और पदानुक्रम पर जोर देते हैं, जबकि लड़कियां सहयोग और भावनात्मक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। ये अंतर उनके समायोजन को प्रभावित कर सकते हैं, आत्मसम्मान, संबंध कौशल और समग्र सामाजिक कल्याण को प्रभावित कर सकते हैं।

भावनात्मक रूप से से अच्छा

किशोरों की भावनात्मक भलाई माध्यमिक स्तर पर उनके समायोजन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। लड़के और लड़कियां भावनाओं को अलग-अलग तरीके से अनुभव और व्यक्त कर सकते हैं, सामाजिक अपेक्षाएं उनके भावनात्मक लचीलेपन को प्रभावित करती हैं। लड़कों को अक्सर अपनी भावनाओं को दबाने या छिपाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जबकि लड़कियों को अधिक संवेदनशील और अभिव्यक्तिपूर्ण होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। एक सहायक भावनात्मक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए इन मानदंडों को पहचानना और चुनौती देना आवश्यक है।

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देश्य तैयार किये गये: माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच अनुकूलन की डिग्री निर्धारित करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. पुरुष और महिला विद्यार्थियों के बीच पारिवारिक अनुकूलन क्षमता में उल्लेखनीय असमानता है।
2. पुरुष और महिला छात्रों के बीच सामाजिक अनुकूलन क्षमता में उल्लेखनीय असमानता मौजूद है।
3. पुरुष और महिला विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक अनुकूलन क्षमता में उल्लेखनीय असमानता मौजूद है।
4. पुरुष और महिला विद्यार्थियों के बीच वित्तीय समायोजन में उल्लेखनीय असमानता है।

अध्ययन पद्धति

अनुसंधान पद्धति: शोधकर्ता ने कुछ क्षेत्रों से प्रासंगिक डेटा इकट्ठा करने के लिए सर्वेक्षण दृष्टिकोण का उपयोग किया। **जनसंख्या:** जनसंख्या उन व्यक्तियों के समूह को संदर्भित करती है जो एक या अधिक सामान्य विशेषताओं को साझा करते हैं। वर्तमान अध्ययन में शाहजहाँपुर के 5 स्कूलों को चुना गया है। 5 स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 200 छात्रों को चुना गया है। शोध नमूने में उत्तर प्रदेश राज्य के शाहजहाँपुर जिले के शहरी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में नामांकित व्यक्ति शामिल हैं।

नमूनाकरण तकनीकें: शोधकर्ता यादृच्छिक नमूनाकरण नमूना चयन तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं।
प्रयुक्त अनुसंधान उपकरण: डेटा संग्रह के लिए निम्नलिखित अनुसंधान उपकरण का उपयोग किया जाता है।

- शोधकर्ताओं द्वारा विकसित व्यक्तिगत डेटा शीट

- समायोजन सूची (1967) भट्टाचार्य द्वारा निर्मित और मानकीकृत।
- उद्देश्यों और परिकल्पनाओं के अनुसार मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा विश्लेषण किया गया और विवरण नीचे प्रस्तुत किया गया है;

एच.ओ.1. लड़के और लड़कियों के बीच पारिवारिक समायोजन क्षमता में महत्वपूर्ण अंतर है। तालिका संख्या 1 'लिंग' के आधार पर

समायोजन की तुलना

समायोजन के माप पर पुरुष और महिला वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का औसत और एस.डी. क्रमशः 8.01 और 8.49 है। जब दोनों समूहों के औसत अंकों की तुलना करने के लिए टी-टेस्ट लागू किया गया, तो टी-वैल्यू 2.56 पाया गया जो कि महत्व के 02 स्तर पर महत्वपूर्ण है, यह सुझाव देता है कि वरिष्ठ माध्यमिक लड़कों और लड़कियों के मामले में समायोजन काफी भिन्न है। लड़कों के पक्ष में यह महत्वपूर्ण अंतर विफलता की तुलना में सफलता के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने की उनकी प्रवृत्ति, आत्मविश्वास और आत्म-मूल्य को बनाए रखने के लिए अनुकूलन प्रकृति के कारण हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप बेहतर आत्म-सम्मान और उचित समायोजन का विकास होता है। इन अध्ययनों को त्रिपाठी और साहू (2018), विशाल और काजी (2014), गहलावत और मंजू (2011), रॉय, एक्का, आरा (2010), रहमतुल्लाह (2007), एनोच और रोलैंड (2006) ने भी समर्थन दिया।

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर पर लड़कों और लड़कियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन किशोरावस्था के दौरान प्रत्येक लिंग के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को समझने के महत्व पर प्रकाश डालता है। शिक्षकों, अभिभावकों और नीति निर्माताओं को ऐसे वातावरण बनाने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करना चाहिए जो समान अवसरों को बढ़ावा दे, रूढ़िवादिता को चुनौती दे और सभी छात्रों की विविध आवश्यकताओं का समर्थन करे।

References

1. हनोक, डब्ल्यू.के., और रोलैंड, सी.बी. (2006)। कॉलेज के नए छात्रों का सामाजिक समायोजन: लिंग और रहने के माहौल का महत्व। कॉलेज स्टूडेंट जर्नल, 40 (1)। जी
2. गहलावत, एम. (2011)। हाई स्कूल के छात्रों के बीच उनके लिंग के संबंध में समायोजन का अध्ययन। इंटरनेशनल रेफर्ड रिसर्च जर्नल, 3(33), 14-151
3. रहमतुल्लाह, के. (2007)। किशोरों के बीच समायोजन. जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, 2, 53-64।
4. रॉय, बी., एक्का, ए., और आरा, ए. (2010)। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच समायोजन. सामाजिक विकास के लिए जर्नल, 2(2), 80-841
5. शेफ़र, एच.जे., और हॉल, एम.एन. (1996)। किशोर जुआ विकारों की व्यापकता का आकलन: मानक जुआ नामकरण की दिशा में एक मात्रात्मक संश्लेषण और मार्गदर्शिका। जुआ अध्ययन जर्नल, 12(2), 193-214
6. सिन्हा, ए.के.पी., और सिंह, आर.पी. (1993)। स्कूली छात्रों के लिए समायोजन सूची (एआईएएसएस)। आगरा (भारत): राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम।
7. त्रिपाठी, एम., और साहू, बी. (2018)। लिंग: इसका हाई स्कूल के छात्रों के समायोजन स्तर पर प्रभाव पड़ता है। न्यूयॉर्क साइंस जर्नल, 11(2), 88-911
8. विशाल, पी., और काजी, एस.एम. (2014)। अहमदाबाद में लड़कों और लड़कियों के स्कूल स्तर के छात्रों का समायोजन। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 2(1), 31-371